Papers to be laid on the Table
of the Lok Sabha/Rajya Sabha

AUTHENTICATED

SHOBHA KARANDLAJE
Minister of State
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi

REVIEW OF ACTIVITIES OF THE JAMMU AND KASHMIR STATE AGRO INDUSTRIES DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED FOR THE YEAR 2014-2015.

The Jammu and Kashmir State Agro Industries Development Corporation Limited was incorporated in the year 1970 under the Companies Act, 1956 as a Government Company with equity participation of the Central Government and the State Government of Jammu and Kashmir. The authorized share capital of the Corporation is Rs. 2.00 crores. The paid-up capital of the Corporation is Rs. 1.96 crores at the end of 2014-2015. The Central Government's share in the paid-up capital is Rs. 93.76 lakhs i.e. about 48% of the total paid up capital of the corporation.

2. OBJECTIVES :

The main objectives of the corporation are as under:

A. Procurement and sale of agricultural machinery, improved implements and tools, cattle feeds;
B. Enabling persons engaged in agricultural and allied pursuits to own the means of modernizing their operations or alternatively making available necessary custom services for this purpose;
C. Promotion and execution and execution of industries having a bearing on production, processing and preservation of fruits and vegetable; and
D. Providing technical guidance to farmers and persons concerned with Agro Industries with a view to enabling efficient conduct of their enterprises.

3. ACTIVITIES AND PERFORMANCE:

The main activities of the Corporation include custom hiring service, cold storage plant and ice factory at Delhi, cattle feed plant at Bari Brahamana, Jammu. During the year, Corporation also carried out canning and processing of fruits and vegetables and procurement and sale of agriculture machinery, trading of fertilizer and marketing of various other agriculture inputs. The sales turnover of the corporation during 2014-2015 was Rs. 3641.07 lakhs against Rs. 5474.41 lakhs during 2013-2014.

.....Contd.

Scanned with CamScanner

4. PROFIT AND LOSS POSITION:

During the year 2014-2015, the Corporation incurred a net loss of Rs. 220.05 lakhs as against a loss of Rs. 8462.78 lakhs during the year 2013-2014. The accumulated loss of the Corporation as on 31st March 2015 stood at Rs. 4920.01 lakh.

*****

Scanned with CamScanner

लोक सभा/राज्य सभा के पटल
पर रखे जाने वाले कागज

अधिप्रमाणित

[illegible]

वर्ष 2014-2015 के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड की कार्यकलापों की समीक्षा

जम्मू और कश्मीर राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड, वर्ष 1970 में कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत एक सरकारी कंपनी के रूप में शामिल किया गया था जिसमें केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार की भागीदारी शामिल थी। निगम की अधिकृत शेयर पूंजी 2.00 करोड़ रुपये है । वर्ष 2014-2015 के अंत में निगम की प्रदत्त पूंजी 1.96 करोड़ रुपये थी। प्रदत्त पूंजी में केन्द्रीय सरकार का हिस्सा 93.76 लाख रुपये अर्थात निगम की कुल प्रदत्त पूंजी का लगभग 48% है।

2. **उद्देश्य:**

निगम का मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है:

(क) कृषि मशीनरी की खरीद और बिक्री, बेहतर औजार और उपकरण, पशु चारा;

(ख) इस उद्देश्य के लिए आवश्यक कस्टम सेवाओं को उपलब्ध कराने के उनके कार्यों के आधुनिकीकरण या वैकल्पिक रूप से साधनों के मालिक होने के लिए कृषि और संबद्ध व्यवसायों में लगे व्यक्तियों को सक्षम करना;

(ग) फलों और सब्जियों के उत्पादन, प्रसंस्करण और संरक्षण पर असर रखने वाले उद्योगों के लिए प्रोत्साहन और निष्पादन; तथा

(घ) अपने उद्यमों के कुशल आचरण को सक्षम करने के लिए कृषि उद्योग के साथ किसानों और संबंधित व्यक्तियों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना।

3. **गतिविधियां और निष्पादन:**

निगम की मुख्य गतिविधियों में कस्टम हायरिंग सेवा, शीत भंडारण प्लांट और दिल्ली में बर्फ कारखाने, बरी ब्रहमना, जम्मू में मवेशियों के चारा संयंत्र शामिल हैं। वर्ष के दौरान, निगम ने फलों और सब्जियों की खरीद और प्रसंस्करण, कृषि मशीनरी की बिक्री, उर्वरकों के व्यापार और विभिन्न कृषि निविष्टियों के विपणन का भी कार्य किया। 2014-2015 के दौरान 3641.07 लाख रुपये के मुकाबले 2013-2014 के दौरान निगम का बिक्री कारोबार 5474.41 लाख रुपये हैं।

.....क्रमश

Scanned with CamScanner

4. लाभ और हानि स्थिति:

वर्ष 2014-2015 के दौरान 220.01 लाख रुपये की हानि के मुकाबले वर्ष 2013-2014 के दौरान निगम को 8462.78 लाख रुपये की हानि हुई थी। 31 मार्च 2015 को निगम की संचित हानि 4920.01 लाख रुपये थी।

*****

Scanned with CamScanner